

3. चलते समय एक पाँव उठाकर आगे बढ़ाने या रखने की क्रिया जैसे- पग-पग पर बाधा मुहा. पग रोपना- दृढ़तापूर्वक या प्रतिज्ञापूर्वक किसी जगह पाँव जमाना; पग-पग पर, थोड़ी-थोड़ी दूरी पर, लगातार, निरंतर।

पगडंडी हि. (तद्.) जंगल या मैदान आदि में लोगों के चलते-चलते स्वतः बन जाने वाला पतला रास्ता, खेतों के बीच बना हुआ पतला रास्ता।

पगड़ी स्त्री. (देश.) 1. सिर पर लपेटकर बाँधा जाने वाला एक लंबा कपड़ा या लंबी पट्टी, पाग, साफा, उष्णीष 2. दुकान या कार्यालय मकान आदि किराये पर लेते समय किरायेदार द्वारा मालिक को दी जाने वाली वह धनराशि जो अवैध रूप से पेशगी या अग्रिम रूप में दी जाती है 3. व्यक्ति की प्रतिष्ठा, उसकी मान-मर्यादा मुहा. पगड़ी उछलना- अपमान होना, दुर्गति होना; पगड़ी उछालना- बेईज्जती या अपमान करना, दर्दुशा करना; पगड़ी उतरना- मान-सम्मान नष्ट होना; पगड़ी उतारना-अपमानित करना; पगड़ी बाँधना- उत्तराधिकार मिलना, दायित्व या विरासत मिलना, उच्च पद की प्राप्ति होना, ऊँचा स्थान मिलना, प्रतिष्ठा मिलना; पगड़ी बाँधना- उत्तराधिकार या दायित्व देना; पगड़ी बदलना- किसी से भाई-चारे का संबंध जोड़ लेना, मैत्री करना; पगड़ी रखना- मान-सम्मान बचाना, उसकी रक्षा करना, मान-सम्मान की रक्षा हेतु पगड़ी उतार कर चरणों में रख देना।

पगतरी स्त्री. (देश.) जूता, चप्पल।

पगना अ.क्रि. (देश.) 1. किसी गाढ़े तरल पदार्थ में पूरी तरह से डूब जाना, निमग्न हो जाना, शरबत या चाशनी में पूरा भीग एवं डूब जाना जैसे- चीनी की चाशनी में मुरब्बे का पगना 2. पूरी तरह से किसी में अनुरक्त हो जाना, डूब जाना जैसे- किसी के प्रेम में पगना सराबोर हो जाना।

पगनियाँ स्त्री. (देश.) 1. पैरों में पहने जाने वाली जूती, खड़ाऊँ।

पगपान पुं. (देश.) पैरों में पहने जाने वाला एक आभूषण जो आकार में पान सदृश होता है।

पगरना पुं. (देश.) 1. सुनार अर्थात् सोने-चांदी का काम करने वालों के काम में आने वाला एक औजार, जो नक्काशी के काम आता है, ऐसे औजार से आभूषण में छोटे गड्ढे बनाए जाते हैं 2. बरतन बनाने वाले कारीगर भी इस उपकरण का प्रयोग करते हैं।

पग-रिपु पुं. (तत्.) 1. पैरों का शत्रु, 2. कांटा, कंटक।

पगरी स्त्री. (देश.) दे. पंगड़ी।

पगला पुं. (देश.) पागल, विक्षिप्त; मानसिक रूप से अस्वस्थ।

पगहा पुं. (देश.) पशुओं को बाँधने वाली रस्सी; पशुओं के गले में डालकर उन्हें खूँटे से बाँधने के काम में आती है।

पगा पुं. (देश.) 1. दुपट्टा या चुन्नी 2. पगड़ी या पाग 3. पघा।

पगाना स.क्रि. (देश.) 1. पागने का कार्य किसी अन्य से कराना, पागने में किसी को प्रवृत्त करना 2. अनुरक्त करना, निमग्न करना, डुबोना।

पगार पुं. (देश.) 1. गढ़ या बगीचे के चारों तरफ सुरक्षा के लिए बनी हुई चहारदीवारी 2. घेरा 3. दीवार 4. कीचड़, गारा, पैरों से कुचली गई मिट्टी 5. वेतन या तनख्वाह 6. वह नदी जिसे पैदल चलकर पार किया जा सके।

पगारना स.क्रि. (देश.) 1. फैलाना जैसे- पैरों से रौंदकर मिट्टी को फैलाना।

पगाह स्त्री. (फा.) 1. भोर, सुबह-सुबह, तड़के 2. यात्रा प्रारंभ करने का उपयुक्त समय अर्थात् प्रातःकाल।

पगिआ स्त्री. (देश.) पगिया दे. पगड़ी।

पगिआना स.क्रि. (देश.) दे. पगाना।

पगुराना स.क्रि. (देश.) 1. गाय-भैंस आदि पशुओं का पागुर करना, जुगाली करना 2. हजम कर जाना, पचा जाना।